साहित्यसुधा
साहित्यकारों की वेबपत्रिका
साहित्यकारों की रचना स्थली
वर्ष: 3, अंक 49, नवम्बर(द्वितीय) , 2018

डॉ० रिक लिंडल द्वारा रचित अँग्रेजी पुस्तक 'The Purpose' का डॉ० अनिल चड्डा द्वारा हिन्दी अनुवाद

लेखक – डॉ० रिक लिंडल
अनुवादक – डॉ० अनिल ि्डा

अध्याय 10

पाप के रास्ते पर (यह कैसे विकसित होता है)

जैसा कि हमेशा ही होता था, वृद्ध आत्मा जीवन में रिक्की की चुनौतियों को जानती थी और अब पाप के लिये उसके चिन्तन के बारे में भी, और इसलिये उसने निर्णय लिया कि अब समय आ गया था कि उसे इस मुद्दे पर कुछ अंतर्दृष्टियाँ प्रदान की जायें. जब वह इन अंतर्दृष्टियों के बारे में रिक्की से संपर्क करने की तैयारी कर रहा थी, तो अचानक ही उसे उसका पुराना मित्र ओरेओन मिल गया और उसने उससे पूछा कि क्या वह मिलना चाहेगा और और उससे उस बारे में चर्चा करना चाहेगा जो प्रगति उसने रिक्की के आध्यात्मिक मार्गदर्शन करने में की थी. ओरेओन, ऊपरी-आत्माओं का परामर्शदाता होने के कारण, उसकी सहायता करने में प्रसन्न था और उसने यह प्रस्ताव दिया कि वह रिकिविक में रिक्की के घर के नजदीक, एक शांत काफी की दुकान में मिलते हैं. उस अवसर के लिये उसने यह भी प्रस्तावित किया कि वह अपने सामान्य गोलाकार फड़कते हुए रूप की जगह वह मनुष्य का रूप धारण कर लेते हैं.

कुछ देर बाद वह दोनों चमकती दोपहरी में रिकिविक शहर के व्यापारिक क्षेत्र में कैफ़े मोक्का में प्रकट हुए. जब वह कैफ़े के सूर्य की रौशनी से चमकते हुए एक कोने में बैठ कर काफी पी रहे थे तो कोई भी ग्राहक यह नहीं बता सकता था कि वह प्रेत थे. इस अवसर पर, वृद्ध आत्मा ने अपने बहुत पहले के अवतरण वाइकिंग के समान एक छ: फुट लम्बे हृष्ट-पुष्ट व्यक्ति का रूप धारण किया हुआ था, जबकि ओरेओन ने एक औसत-माप के शरीर का रूप धारण किया हुआ था जो देखने में बहुत शांत लग रहा था. कैफ़े के दूसरे ग्राहकों में घुले-मिले हुए और सामान्य दिखने की कोशिश में, उन्होंने अपनी सामान्य दूर-संवेदी बातचीत को छुपा लिया और साधारण मनुष्य की भाषा बात करने लगे.

ओरेओन ने कहा, “अच्छा, मेरे पुराने मित्र, लगता है तुम्हारे रिक्की ने अपने-आप को सदियों पुराने पाप के अध्ययन में डुबा लिया है.”

वृद्ध आत्मा ने, अपनी काफी सुड़कते हुए, उत्तर दिया, ”हाँ, हाल ही में वह इस विषय का अध्ययन करने के लिये कुछ समय लगा रहा है.”

ओरेओन ने ध्यान दिया कि वृद्ध आत्मा कितने गंदे तरीके से काफी के घूँट ले रही थी और उसने अपने कप में से नजाकता से काफी पीते हुए मुस्कराहट के साथ अपनी कनिष्ठ अंगुली को हवा में रखते हुए टिप्पणी की, “मैं समझता हूँ कि तुमने कभी भी इससे पहले इस तरह से छोटे कपों में काफी नहीं पी. तुम एक गंवार व्यक्ति की भांति लग रहे हो जो तुरही में से शराब गटक रहा है.”

वृद्ध आत्मा हंसी और कहा, “हाँ,कुछ वर्ष बीत गये है जब मेरे पास यह वाइकिंग का शरीर था और मुझे कप में से काफी के घूँट लेने का अभ्यास नहीं हुआ. वास्तव में मैंने आज तक कभी काफी नहीं पी. मुझे नहीं मालूम था कि इस शरीर पर बड़े हाथ इस तरह के छोटे कप पकड़ने के लिये उपयुक्त नहीं होंगे.”

ओरेओन मुस्कराया और उत्तर दिया, “मैंने सदियों से इसे अपनी आदत बना रखा है. मैं ऊपरी आत्माओं के साथ अपनी देखभाल की बैठकें धरती के उन स्थानों पर करता हूँ जहाँ कि उनकी जिम्मेदारी होती है. इसने मुझे युगों से समसामयिक संस्कृति का अनुभव करने के अवसर दिये हैं, और एक इस जैसे छोटे कप से काफी के घूँट भरने का अवसर भी.”

वृद्ध आत्मा और ओरेओन अब अपनी बैठक के लिये व्यवस्थित हो गये थे, जब ओरेओन ने जारी रखा, “तुमने मुझसे रिक्की को परामर्श देने के लिये सलाह मांगी है, लेकिन मैं नहीं समझता कि मैं तुम्हे कुछ ऐसी चीज बता पाऊंगा जो तुम पहले से नहीं जानते हो, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम उन परिस्थितियों से परिचित हो जो मनुष्यों को पाप करने की ओर ले जाती हैं. फिर भी, जब तुमने मेरी सलाह माँगी ही है, तो मेरा प्रस्ताव है कि तुम पहले रिक्की से यह कह कर आगे बढ़ो कि कोई स्वतंत्र बल, या हस्ती, या एक अजनबी चेतना नहीं होती जो स्वाभाविक रूप से पापी हो और मनुष्यों को शिकार बनाती हो.”

ओरेओन ने जारी रखा, “फिर भी, मनुष्यों के कृत्य पाप की तरह देखे जा सकते हैं और वह लोग, जो ऐसे कृत्य करते हैं, उसी रूप से पापी की तरह देखे जाते हैं. क्योंकि यह एक बहुत बड़ा विषय है, मैं पहले रिक्की को कुछ पृष्ठभूमि की जानकारी देने से शुरूआत करूंगा जो उसे पाप का पूर्व-वृत्त को समझने में सहायता करेगा. यह महत्वपूर्ण है कि वह इसके व्यापक सन्दर्भ को समझे जिनमें यह कृत्य होते हैं, इससे पहले कि वह पूरी तरह से इस विषय को समझ सके.

“उदाहरण के लिये, तुम उसे इसके बारे में थोड़ा और यह कहने के साथ शुरुआत कर सकते हो कि (क) चेतना की प्रकृति और यह कैसे शारीरिक हो जाती है जब यह ‘सामंजस्य के विकास’ के माध्यम से समय में आती है. फिर उसके आगे यह बताओ कि (ख) मिथ्याओं के मंत्रमुग्ध कर देने वाले पहलु और वह कैसे हरेक संस्कृति को प्रथाओं, रीति-रिवाज और आस्थाओं के माध्यम से प्रदान

किये जाते हैं. इस बिंदु पर तुम उसे प्रचलित मिथ्याएं, जो वर्तमान में मानवता की उन्नति में प्रमुख बाधाएं हैं, के बारे में भी कह सकते हो. फिर उसे (ग) आवेग और अंतर्ज्ञान के बारे में भी बता सकते हो, और तब क्या होता है जब उन अनुभूतियों पर, जो उसकी आंतरिक प्रकृति से निकलती हैं, पर विश्वास नहीं किया जाता या उन्हें रोक दिया जाता है. उसके पश्चात, तुम्हे कुछ शब्द (घ) आदर्शों और कट्टर व्यवहार के बारे में कहने चाहिये. और फिर अंत में, इस पृष्ठभूमि को समझने के बाद, उसके हाथ में जो वास्तविक विषय है वह उसको समझने की स्थिति में होगा, जो कि पाप की प्रकृति है."

वृद्ध आत्मा ने टिप्पणी की, "मैं सोचता हूँ कि मेरे लिये मेरा काम की रूपरेखा तैयार हो गई है. मेरे लिये अपने आश्रित के साथ शुरुआत करने के लिये यह अच्छी रूप-रेखा है."

वृद्ध आत्मा और ओरेओन कैफ़े मोक्का के शांत सूर्य की रौशनी से रौशन कुञ्ज में सारी दोपहर बातचीत करते रहे, जब तक वह अकेले नहीं रह गये, और फिर उनके प्रेत अचानक ही हवा में लुप्त हो गये.

रिक्की कनाडा में कुछ वर्षों से एच आई वी चिकिसालय पर काम कर रहा था, जब उसने यह फैसला किया कि अब आइसलैंड वापिस जाने का समय आ गया था. वहाँ पहुँचने के बाद, उसने स्थानीय ऐड्स संस्थान के प्रमुख के रूप में काम करना शुरू कर दिया और अपने मनोचिकित्सा अभ्यास को भी साथ-साथ करता रहा.

सप्ताहांतों पर वह अक्सर शहर के बाहर पहाड़ों की सुन्दरता को देखने के लिये पैदल यात्रा किया करता था. ऐसे ही एक अवसर पर, पहाड़ के ढाल पर एक कठिन चढ़ाई के बाद, वह आराम करने के लिये लेट गया. जब वह उत्तरी-ध्रुव के फूलों की मुलायम काई में, दूर से आती हुई चिडियों के गाने के साथ, डूब गया, तो नजदीक ही किसी धारा में गिरते हुए पानी की आवाज से उसे निंद्रा आ गई. वह जल्दी ही एक सुस्पष्ट स्वप्न लेने लगा. वृद्ध आत्मा उसके स्वप्न में प्रकट हुई और उसे एक कैप्सूल दिया, जिसमें कुछ 'विचारों के गट्ठे थे, और बोला, "यह पाप के विषय पर एक संवादात्मक व्याख्यान है. मैं देख रहा हूँ हाल ही में तुम इस विषय के साथ संघर्ष कर रहे हो."

रिक्की इतने वर्षों बाद वृद्ध आत्मा को देख कर हैरान था, और उत्तर दिया, "मैंने हीथर हिल्ल पर तुमसे जल्दी ही मिलने की योजना बनाई थी. मैं समझता हूँ कि तुमने मेरा मस्तिष्क पढ़ लिया था और जानते थे कि मैं बात करना चाहता था?"

वृद्ध आत्मा ने उत्तर दिया, "हाँ, बेशक. तुम जानते हो कि मैं हमेशा तुम्हारे आसपास तुम्हारे फिलगजा की भांति रहता हूँ.

"आज रात बाद में इससे पहले कि तुम सो जाओ, एक क्षण निकालो और इस कैप्सूल की सामग्री का अध्ययन करो. तुम इसे सहायक पाओगे. इसे देखने के बाद, हमारे पास पाप के कुछ पहलुओं के बारे में, जिन पर तुम मनन करते रहे हो, एक संक्षिप्त बातचीत करने का अवसर होगा."

रिक्की ने पूछा, “मैंने सोचा था मुझे तुमसे सीधे बातचीत करने के लिये हीथर हिल्ल आना होगा?”

वृद्ध आत्मा मुस्कराई, “इस बार वह आवश्यक नहीं होगा. इस कैप्सूल में पाप के विषय पर तुम्हारे प्रश्नों के सारे संभावित उत्तर हैं.”

वृद्ध आत्मा तब लुप्त हो गई. कुछ समय बाद, रिक्की जागा और शहर की ओर चल दिया.

कृपया रचनाकार को मेल भेज कर अपने विचारों से अवगत करायें